भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 219

दिनांक 06 अगस्त, 2024

तमिलनाडु में केंद्रीय कृषि और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय

***219. कुमारी सुधा आर. :**

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार तमिलनाडु में मयिलाडुतुरै और कुंभकोणम क्षेत्र में महत्वपूर्ण कृषि कार्यकलापों और पशुपालन को देखते हुए इस क्षेत्र में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय और केन्द्रीय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना करने से संबंधित किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार इसे विकास से सम्बन्धित भावी कार्यसूची में शामिल करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) स्थानीय किसानों और कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने के लिए उन्नत शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ग): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

****

"तमिलनाडु में केंद्रीय कृषि और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 06.08.2024 के तारांकित प्रश्न सं. 219 के भाग (क) से (ग) से संबंधित विवरण

(क) एवं (ख) : वर्तमान में तमिलनाडु में एक केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय तथा एक केन्द्रीय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

हालांकि, तमिलनाडु राज्य में 03 विश्वविद्यालय हैं जो कि किसान समुदाय के साथ-साथ छात्रों के कल्याण के लिए कृषि एवं सम्बद्ध विषयों की जरूरतों को पूरा करते हैं। ये हैं:

(i) तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (TANUVAS), चेन्नई;
(ii) तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता मात्स्यिकी विश्वविद्यालय (TNJFU), नागपट्टीनम;
(iii) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU), कोयम्बटूर

इन विश्वविद्यालयों में कुल मिलाकर 35 घटक कॉलेज, 29 सम्बद्ध कॉलेज, 51 अनुसंधान केन्द्र/फार्म, 20 कृषि विज्ञान केन्द्र (KVKs), 07 कृषि इनक्यूबेशन केन्द्र हैं तथा इनका तमिलनाडु राज्य के भीतर 120 किसान उत्पादक संगठनों (FPO) के साथ सम्पर्क बना हुआ है।

(ग): स्थानीय किसानों और कृषि समुदाय को सहयोग करने में उन्नत शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं :

(i) सरकार ने किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 03 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) संस्थान नामत: भाकृअनुप-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर; भाकृअनुप-केन्द्रीय खारा जलजीव पालन संस्थान, चेन्नई; तथा भाकृअनुप-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, तिरूचिरापल्ली और विभिन्न आईसीएआर संस्थानों के 11 क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किए हैं।

(ii) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU), कोयम्बटूर और तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (TANUVAS), चेन्नई ने अपनी बुनियादी सुविधा और पाठ्यचर्या को आधुनिक बनाने के लिए भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (NAHEP) (2018-2023) के अंतर्गत उल्लेखनीय फंडिंग (रुपये 52.44 करोड़) प्राप्त की है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं : स्मार्ट क्लासरूम, भाषा प्रयोगशालाओं तथा प्रौद्योगिकी केन्द्रित प्रयोगशालाओं की स्थापना करना, ड्रोन प्रशिक्षण प्रदान करना एवं एआर/वीआर मॉड्यूल्स का सृजन करना, तथा सिमुलेटर्स के साथ एक शिक्षण केन्द्र का निर्माण करना। इन प्रयासों से कृषि शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के कौशल विकास में बढ़ोतरी हुई है (यथा 100 से भी अधिक छात्रों को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रदान किया गया)।

(iii) पिछले तीन वर्षों के दौरान छात्रों एवं किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुविधाओं का सृजन/रिनोवेशन करने हेतु विश्वविद्यालयों [तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU), तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (TANUVAS) एवं तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता मात्स्यिकी विश्वविद्यालय (TNJFU)] को विकास अनुदान प्रदान किए गए हैं।

(iv) कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान में शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आईसीएआर कोटा सीटों के लिए आईसीएआर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से तमिलनाडु के छात्रों सहित, सभी छात्रों को फेलोशिप/छात्रवृत्ति प्रदान करके उनकी सहायता की जाती है।

(v) सरकार ने कृषि प्रौद्योगिकियों एवं आजीविका आधारित कौशल गतिविधियों में किसानों को जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 31 कृषि विज्ञान केन्द्र (KVKs) स्थापित किए हैं।

(vi) तमिलनाडु राज्य में कृषि रसायनों और उर्वरकों का छिड़काव करने के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन 7861 किसानों के सम्मुख किया गया। प्रौद्योगिकी से समय में 90% तथा जल के उपयोग में 93% की बचत होती है, ऑपरेशन की लागत 12% कम होती है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं पर्यावरणीय प्रदूषण में कमी आती है।

(vii) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU), कोयम्बटूर के 07 कृषि व्यवसाय इनक्यूबेशन केन्द्र भी छात्रों एवं अन्य हितधारकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

(viii) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU), कोयम्बटूर ने 120 किसान उत्पादक संगठनों के साथ संपर्क स्थापित किया है ताकि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां और व्यवसाय योजनाएं तैयार करने पर जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके।

******